राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 202 | जौनपुर | मंगलवार, 11 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

जौनपुर महोत्सव अन्तर्गत जनपद स्तरीय हमारा आंगन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में "हमारा आंगन, हमारे बच्चे" कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास विभाग के समन्वय से शाही किला में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और निपुण भारत मिशन के दिशा–निर्देशों के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान, जनपद के सभी ब्लाक से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर आधारित कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

योगी सरकार कैबिनेट में मंत्रिपरिषद की बैठक में 19 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई

लखनऊ, (संवाददाता)। इन प्रस्तावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। बैठक में बलिया में स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडेय के नाम पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण, आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम और द्वितीय कॉरीडोर के लिए भूमि हस्तांतरण, स्मार्ट सिटी योजना का विस्तार और केंद्र सरकार द्वारा तय किये गये समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए समय सीमा का निर्धारण किया गया है। मंत्रिपरिषद ने 10,000 से 25,000 मूल्य तक के भौतिक स्टाम्प पेपर को चलन से बाहर करने का निर्णय लिया है। अब इनके स्थान पर ई–स्टाम्प का उपयोग किया जाएगा। इस संबंध में 5,630 करोड़ रुपये से अधिक के स्टाम्प को बीड आउट किया जाएगा। पुराने स्टाम्प 31 मार्च 2025 तक मान्य होंगे, उसके बाद इन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह निर्णय स्टाम्प प्रणाली में पारदर्शिता लाने और गड़बड़ियों को रोकने के लिए लिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025–26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में 17 मार्च से 15 जून 2025 तक गेहूं की खरीद होगी, जिसके लिए खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 8 एजेंसियों द्वारा प्रदेशभर में लगभग 6,500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बैठक में बलिया जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 14.05

एकड़ भूमि को निरूशुल्क हस्तांतरण को मंजूरी दी गई। यह भूमि जिला कारागार से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित की गई है। मेडिकल कॉलेज का निर्माण 12.39 एकड़ भूमि पर किया जाएगा, जबकि शेष लगभग 2 एकड़ भूमि पर स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय चित्तू पांडेय की मूर्ति स्थित है, जिसके सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया गया है। मेडिकल कॉलेज का नामकरण भी चित्तू पांडेय के नाम पर किया जाएगा। बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि का हुआ हस्तांतरण बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए राजकीय कृषि विद्यालय के नाम दर्ज 4570 वर्ग मीटर भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग को निरूशुल्क हस्तांतरित करने का फैसला लिया गया है। यह भूमि ग्राम वलीपुरा में स्थित है। बता दें कि प्रदेश के 27 स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जा रही है। बता दें कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर परिसर में अबतक नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध नहीं थी। सैफई में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में ऑब्स एंड गायनी ब्लॉक के निर्माण का रास्ता साफ मंत्रिपरिषद की बैठक में सैफई (इटावा) स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में ऑब्स एंड गायनी ब्लॉक के निर्माण किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय टीम को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चौम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि क्रिकेट का इतिहास रचने पर खिलाड़ी, टीम प्रबंधन और सहयोगी स्टाफ बधाई के पात्र हैं। भारत ने दुबई में न्यूजीलैंड को चार विकेट से फाइनल में हराकर तीसरी बार चौम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीता। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा ,'' भारतीय टीम को आईसीसी चौम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर बधाई। भारत तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी।'' उन्होंने कहा ,'' खिलाड़ियों, प्रबंधन और सहयोगी स्टाफ को क्रिकेट का इतिहास रचने पर बधाई। भारतीय क्रिकेट के उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामना।

संक्षिप्त समाचार

महिला सुरक्षा को लेकर विजय ने साधा डीएमके पर निशाना

चेन्नई , (एजेंसी)। मेयर आर प्रिया ने अभिनेता से नेता बने विजय पर डीएमके सरकार की आलोचना करने के लिए पलटवार किया। विजय ने तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया था। महिला दिवस के संदेश में विजय ने महिला सुरक्षा पर राज्य सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। क्या आप खुश हैं? आप तभी खुश रह सकते हैं जब आप सुरक्षित महसूस करें। मैं समझ सकता हूं कि जब आप असुरक्षित होते हैं तो खुश होने के बारे में आपको कैसा महसूस होता है। विजय ने कहा कि आपने और मैंने डीएमके सरकार को चुना। लेकिन अब हमें एहसास हुआ है कि उन्होंने हमारे साथ विश्वासघात किया है। सब कुछ बदल सकता है। चिंता न करें, 2026 में हम उन लोगों को हटा देंगे जो महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे। अभिनेता–राजनेता ने कहा परिवर्तन ही एकमात्र ऐसी चीज है जो स्थिर है। 2026 में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रही यह सरकार सत्ता से बाहर हो जाए। प्रिया ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विजय से आग्रह किया कि वे इस तरह के व्यापक बयान देने से पहले राजनीति की वास्तविकताओं से जुड़ें। उन्होंने अभी–अभी राजनीति में प्रवेश किया है और उन्हें और भी राजनीतिक वास्तविकताएँ देखनी हैं। मेयर ने सरकार की पहलों का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से योजनाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने विजय की आलोचना को अनावश्यक बताते हुए कहा कि एक महिला के लिए केवल शिक्षा ही उसके साथ खड़ी होती है, जब उसके रिश्तेदार सहित सभी लोग उसे छोड़ देते हैं। हमारे मुख्यमंत्री ने इसे महत्व दिया है। विजय ने पहले भी तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाया था और राज्यपाल आर. एन. रवि से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू करने का आग्रह किया था।

सीता माता का भव्य मंदिर बनेगा, जो दुनिया को नारी शक्ति का संदेश देगा : अमित शाह

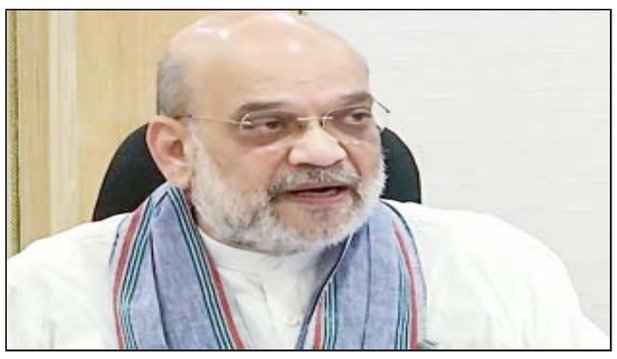

नई दिल्ली , (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुजरात के विकास में योगदान देने के लिए मिथिलांचल और बिहार के लोगों की रविवार को सराहना की और कहा कि इस क्षेत्र का प्राचीन काल से ही लोकतंत्र और दर्शन को सशक्त बनाने का इतिहास रहा है। यहां 'शाश्वत मिथिला महोत्सव 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी वादा किया कि सीता माता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''जब मैं लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार गया था, तो मैंने कहा था कि राम मंदिर बन गया है, अब सीता माता का भव्य मंदिर बनाने की बारी है। मंदिर पूरी दुनिया को नारी शक्ति का संदेश देगा और यह बताएगा कि जीवन कैसे हर तरह से आदर्श होना चाहिए।'' शाह ने कहा, ''गुजरात में बसे मिथिलांचल और बिहार के लोगों ने इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा कि मिथिला की भूमि रामायण और महाभारत के समय से ही बुद्धिजीवियों की भूमि रही है, जहां का प्राचीन विदेह साम्राज्य लोकतंत्र की जननी है। शाह ने कहा, ''महात्मा बुद्ध ने कई बार कहा था कि जब तक विदेह के लोग मिल–जुलकर रहेंगे, उन्हें कोई नहीं हरा सकता। मिथिलांचल लोकतंत्र की एक मजबूत ताकत साबित हुआ, जो वर्षों तक पूरे देश को अपना संदेश देता रहा।

पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे, इस पर चर्चा होनी चाहिए - राहुल गांधी

नई दिल्ली , (एजेंसी)। करीब एक महीने के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। सत्र के दूसरे भाग के पहले कई मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस देखने को मिली है। वहीं लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक मांग रखी कि श्पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। सभी विपक्षी दल वोटर लिस्ट पर सवाल उठा रहे हैं। अब पूरा विपक्ष बस यही कह रहा है कि वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी ने मामले में कहा, श्हम आपकी टिप्पणी को स्वीकार करते हैं कि सरकार मतदाता सूची नहीं बनाती है। लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हैं।श उन्होंने कहा, श्देश भर में मतदाता सूची पर

सवाल उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र समेत हर राज्य में विपक्ष ने एक स्वर में सवाल उठाए हैं।श वहीं इस मामले में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा, श्चुनाव आयोग सरकार के हाथ में है... अगर लोकतंत्र ऐसे ही चलता रहा और चुनाव आयोग सरकार के लिए पैरवी करता रहा तो जो नतीजे आएंगे वो आपके सामने हैं... अगर यही व्यवस्था चलती रही तो ये लोकतंत्र नहीं बल्कि दिखावा है... हमें कई सालों से शक है... जमीन पर क्या होता है ये सबको पता है लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत रॉय ने कहा कि मतदाता सूची में कुछ खामियां हैं और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि मुर्शिदाबाद और बर्दवान संसदीय क्षेत्रों और हरियाणा में एक ही ईपीआईसी (चुनावी फोटो पहचान पत्र) संख्या वाले मतदाता मौजूद हैं। टीएमसी ने कहा कि तृणमूल का एक प्रतिनिधिमंडल मतदाता सूची पर चिंताओं को उठाने के लिए नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त से मिल रहा है। उन्होंने मतदाता सूचियों में व्यापक संशोधन की भी मांग की, खास तौर पर अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले। चुनाव आयोग को देश को जवाब देना चाहिए– सौगत रॉय सौगत रॉय ने दावा किया, श्कुछ गंभीर खामियां हैं। महाराष्ट्र के मामले में यह बात कही गई है, जहां मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की गई थी।

अपनी जुबान पर काबू रखें धर्मेंद्र प्रधान पर भड़के सीएम स्टालिन, बताया अहंकारी

तमिलनाडु, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर पलटवार किया है। धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान राज्य सरकार को पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) योजना को लागू करने के मुद्दे पर "बेईमान" और छात्रों का भविष्य "बर्बाद" करने वाला करार दिया था। एमके स्टालिन ने एक्स पर तमिल में कड़े शब्दों में लिखे एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान के अहंकार की निंदा की और कहा कि वह एक घमंडी राजा की तरह बोल रहे हैं और जिसने तमिलनाडु के लोगों का अनादर किया है, उन्हें "अनुशासित" किए जाने की आवश्यकता है। एमके स्टालिन ने एक्स पर लिखा, ष्केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जो खुद को राजा समझते हैं, अहंकार से बोलते हैं, उन्हें अपनी जुबान पर नियंत्रण रखना चाहिए।ष धर्मेंद्र प्रधान की टिप्पणी पर डीएमके सदस्यों के विरोध के बाद सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। पीएम श्री योजना पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रधान ने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन पर अपना रुख बदल दिया है, जिसमें केंद्र, राज्य या स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों को मजबूत बनाने की परिकल्पना की गई थी। पूरक प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''एक समय था जब तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार के साथ (एनईपी पर) एमओयू पर हस्ताक्षर करने को तैयार थी। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के साथ कुछ सदस्य हमारे पास आए थे और उन्होंने

सहमति व्यक्त की थी।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पंजाब जैसे गैर–भाजपा शासित राज्य भी पीएमश्री योजना को स्वीकार कर रहे हैं। प्रधान ने कहा, ''हम तमिलनाडु को वित्तीय आवंटन कर रहे हैं, लेकिन वे प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे (द्रमुक) तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। वे जानबूझकर राजनीति कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वे छात्रों के साथ अन्याय कर रहे हैं और अलोकतांत्रिक तरीके से व्यवहार कर रहे हैं।'' उन्होंने द्रमुक पर तमिलनाडु के छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार सबके लिए काम कर रही है। प्रधान ने कहा, ''मेरी जानकारी है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एनईपी को स्वीकार करना चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें रोक रहे हैं जो भविष्य में मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री (स्टालिन) छात्रों के प्रति ईमानदार नहीं हैं।'' पीएमश्री योजना के तहत एनईपी 2020 के सिद्धांतों के अनुरूप देश में आदर्श विद्यालय स्थापित किए जाने हैं। मंत्री के जवाब के बीच ही द्रमुक के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदस्यों के हंगामे के बीच कुछ मिनट तक प्रश्नकाल संचालित किया।

योगी आदित्यनाथ ने आईसीसी चैंपियंस टॉफी में जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक 'पोस्ट' में इस जीत को ऐतिहासिक'' बताते हुए कहा, "चौंपियंस का अभिनंदन!" योगी ने इसी पोस्ट में कहा, "देशवासियों को हार्दिक बधाई! चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर विजय के रंगों से त्योहारों की बेला को और अधिक रंगमय, उल्लासमय बनाने वाली

भारतीय क्रिकेट टीम के हर खिलाड़ी पर देश को गर्व है।'' उन्होंने कहा, "आप सभी के उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं। जय हिंद।'' भारत ने कप्तान रोहित शर्मा (76 रन) अर्धशतक से रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर आईसीसी चौंपियन्स ट्रॉफी 2025 अपने नाम की। यह टीम का तीसरा चौंपियन्स ट्रॉफी खिताब है।

महाराष्ट्र में अजित पवार ने पेश किया अपना 11वां बजट, किए कई महत्वपूर्ण ऐलान

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजित पवार ने विधानसभा में अपना 11वां बजट पेश किया। उन्होंने बजट पेश करते हुए राज्य को लगातार समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सरकार के सत्ता में आने में लड़की बहिन योजना की सफलता को अहम कारक बताया और लोगों का विश्वास जीतने और नवगठित महायुति सरकार को राज्य में मजबूत पैर जमाने में मदद करने में इसकी अहमियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने वित्त वर्ष 26 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए मुंबई में तीसरे हवाई अड्डे की योजना की घोषणा की। पवार ने राज्य विधानसभा में बोलते हुए कहा कि मुंबई का नया हवाई अड्डा वधवन बंदरगाह के पास प्रस्तावित किया जाएगा और मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशन इस बंदरगाह के पास होगा। वर्तमान में, भारत के वित्तीय केंद्र में दो हवाई अड्डे हैं, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो मुम्बई महानगर क्षेत्र में स्थित है, और दूसरा नवी मुम्बई में स्थित है, जिसके इस वर्ष मई में चालू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की नयी औद्योगिक नीति 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 50 लाखरोजगार पैदा करने पर केंद्रित होगी। पवार ने महाराष्ट्र में निजी निवेश में वृद्धि पर प्रकाश डाला, जो बढ़ती बाजार मांग और मजबूत विकास प्रक्षेपवक्र से प्रेरित है। महाराष्ट्र प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में देश का नेतृत्व करना जारी रखता है, और एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखता है। राज्य नए श्रम कानून लागू करने की योजना बना रहा है, जिससे कार्यकुशलता बढ़ेगी और अधिक निवेश आकर्षित होगा। आर्थिक विकास को और बढ़ावा देने तथा व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक संशोधित औद्योगिक नीति की रूपरेखा तैयार की गई है। महाराष्ट्र शहरी संपर्क बढ़ाने के लिए मेट्रो नेटवर्क के विस्तार सहित मुंबई की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। अजित पवार ने नवी मुंबई और मुंबई हवाई अड्डों को जोड़ने वाली मेट्रो लिंक की योजना की घोषणा की, जिससे दोनों प्रमुख स्थानों के बीच संपर्क बढ़ेगा।

महागठबंधन में नीतीश की वापसी के सवाल पर भड़के तेजस्वी यादव

नई दिल्ली , (एजेंसी)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी महागठबंधन में फिर से शामिल होने की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके लिए कोई प्रस्ताव नहीं था और गठबंधन अब केवल आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित है। बिहार में ओबीसी, ईबीसी, दलितों और आदिवासियों के लिए 65: आरक्षण लागू न किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे यादव ने उस समय अपना आपा खो दिया जब उनसे पूछा गया कि क्या नीतीश कुमार का फिर से स्वागत किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने भड़कते हुए पूछा कि आपको ये विचार कौन देता है? हम उनका स्वागत क्यों करेंगे? कोई प्रस्ताव नहीं है, बकवास मत कीजिए। लालू (यादव) जी और मेरे अलावा कोई भी प्रस्ताव देने के लिए अधिकृत नहीं है, और कोई प्रस्ताव नहीं दिया जाएगा। जेडीयू और आरजेडी के बीच पर्दे के पीछे की सांठगांठ की अफवाहें कुमार के राजनीतिक गलियारे में उतार–चढ़ाव के इतिहास की पृष्ठभूमि में चल रही हैं। कभी आरजेडी संस्थापक लालू यादव के कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे कुमार ने 2015 के राज्य चुनावों में आरजेडी के साथ गठबंधन किया और गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की। चुनाव के दो साल बाद, कुमार गठबंधन से बाहर हो गए और मुख्यमंत्री के रूप में वापस आने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। जेडीयू और बीजेपी ने 2020 के चुनाव गठबंधन में लड़े, लेकिन कुमार ने दो साल बाद फिर से पलटी मारी और विपक्षी खेमे में लौट आए। 2024 में, लोकसभा चुनावों से पहले, जेडीयू प्रमुख ने अपना नवीनतम बदलाव किया और एनडीए में वापस आ गए। नौवीं बार शपथ लेने पर भाजपा ने उनका समर्थन

किया। पिछले कुछ दिनों में कुमार और यादव के बीच तीखी नोकझोंक देखी गयी है। राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने राज्य सरकार में उस पार्टी (राजद) के आचरण को देखते हुए समझौते को खारिज कर दिया। आपने लोकसभा चुनाव, उपचुनावों के परिणाम देखे और यह बहुत स्पष्ट है कि 2025 (बिहार विधानसभा चुनाव) में क्या होने वाला है। उस गठबंधन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। चिराग पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी और राज्य स्तर पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार चल रही है।

संपादकीय

बच्चों में बहरापन

यह आशंका अकसर जतायी जाती रही है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अब हाल में हुए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को चेताया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां–बाप की नसीहत पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल–कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। प्रयास किया जाए कि न टाले जा सकने वाले कार्यक्रमों को कम आवाज के साथ सुना जाए। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में आए बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील देकर बच्चे भी मोबाइल–लेपटॉप आदि से चिपके रहने का बहाना ढूंढ ही लेते हैं। तेज आवाज का संगीत व कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय–समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार–प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

संभव है ट्रम्प-पुतिन-मोदी शिखर सम्मेलन

ज्योति मल्होत्रा

एक सप्ताह पहले डोनाल्ड ट्रम्प और वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच हुई तीखी नोक–झोंक अब इतिहास बन चुकी है। ओवल ऑफिस की उस सुबह दुनिया बदल गई और विश्व ने ताकत का अपरिष्कृत उपयोग होते देखा। अगर यूरोप दृ और यूक्रेनियन भीदृ शक्ति के ऐसे प्रयोग में शालीनता और शिष्टाचार की कमी को लेकर भड़क रहे हैं, तो शायद वे सही हैं। लेकिन इतना तो वे भी जानते हैं रू यदि आप कुछ अंडे नहीं तोड़ सकते, तो ऑमलेट बनाना सरल नहीं। हैरानी जिस बात की है वह यह कि यूरोपीय और ब्रिटेन को झटका इस कदर लगा है। ब्रिटिश और फ्रांसीसी, जोकि सुरक्षा परिषद के वीटो पॉवर संपन्न स्थाई सदस्य हैं दृ इनके अलावा यूरोप महाद्वीप के वे तमाम अन्य देश जो विश्व मंच पर खुद को स्थापित करने की बेतहाशा कोशिश में हैं दृ अमेरिकी डॉलर की पीठ पर सवार होने के कारण, अमेरिकियों के सामने नतमस्तक रहे, कम से कम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से। यूरोप का सबसे उघड़ा रहस्य यह है कि यूरोपीय लोगों के अंदर अनाकर्षक अमेरिकियों के प्रति व्याप्त घृणा बमुश्किल छिपी हैदृ उन्हें तो सिर्फ उनका पैसा चाहिए। सुएज के पार, गर्मियों में पेरिस के बेकरी वाले सबसे महंगे बगेट (ब्रेड) बनाकर रखते हैं दृ जब फ्रांस की राजधानी पेरिस आने वाले अमेरिकी पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण हर चीज खत्म हो जाती है, ठीक वैसे ही, जब उन सभी को हेमिंग्वे की किताब 'ए मूवेबल फीस्ट' के एक या अन्य संस्करण की तलाश भी रहती है। ट्रम्प एंड कंपनी दृ जेडी वेंस, एलन मस्क और अन्य की एक बात है कि उनके पास वह करने के वास्ते कोई वक्त नहीं है, जिसे जाने–माने पत्रकार शेखर गुप्ता 'तानपुरा–सेटिंग' कहते हैं। इसका मतलब है कि यूरोप, जिसे औपचारिक संवाद और व्यवहार में तमाम तरह का तामझाम और अलंकार बहुत पसंद है, जिसको 'इग्लाइट' और 'लिबर्टे' और यहां तक कि 'फ्रैटरनाइट' जैसे कलिष्ट शब्दों में पिरोया जाता है दृ हालांकि, यहां आपको उत्तरी अफ्रीका में फ्रांस के कुछ दशक पहले के इतिहास पर नजर डालनी चाहिए, खासकर अल्जीरिया में, जहां के श्वेत फ्रांसीसी भी 'पाइड नोयर' या 'ब्लैक फीट' पुकारे जाते थे, क्योंकि वे मुख्यभूमि

के फ्रांसीसियों जितने गोरे नहीं थे दृ यह सब आत्मा को इतना झकझोरने और उद्वेलित करने वाला है, क्योंकि वे जानते हैं कि आखिरकार उनके रखे अनाप–शाप दाम अटलांटिक पार से आए अमेरिकी ही चुका सकते हैं। खैर, ट्रम्प और वेंस ने अभी–अभी घोषणा की है कि इस सारी 'तानपुरा–सेटिंग' का समय समाप्त हो चुका है। या फिर आप अपना 'तानपुरा सेट करना' जारी रख सकते हैं, लेकिन हमारे समय या हमारे पैसे की एवज पर नहीं। इसलिए यूक्रेन का अंतिम यूक्रेनी तक लड़ने का निर्णय मुबारक हो, लेकिन अमेरिकी पैसे पर नहीं। कम से कम अफगानिस्तान ने अमेरिका और यूरोप को एक बात सिखाई है दृ किसी और की लड़ाई लड़ने का मतलब यह नहीं है कि आपके फौजी इसमें मरें। शायद इसीलिए उन्होंने अपना अपराध बोध कम करने को अपनी थैली की डोरी ढीली की थी। ट्रम्प ने उस सुबह ओवल ऑफिस में यूरोप के पाखंड को उजागर किया। तीन साल से यूरोप और कनाडा व्लादिमीर पुतिन से लड़ने के लिए जेलेंस्की को उकसाते आए है, सिवाय इसके कि अफगानिस्तान के उलट, वहां वे अपने फौजी मरवाने को तैयार नहीं हैं। दुनिया को इस दिशा में आगे बढ़ने में एक हफ्ते से भी कम समय लगा। सिर्फ जेलेंस्की ही नहीं, हर कोई ट्रम्प के नेतृत्व वाली 'नई साहसी दुनिया' के लिए तैयारी कर रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। हाल–फिलहाल केवल चीनी ही तनकर सामने खड़े हैं। इसके क्या मायने हैं, आप जानते हैं। ट्रंप भी मानते हैं कि उनका असली मुकाबला पुतिन से नहीं बल्कि शी जिनपिंग से है। किसी और के पास नहीं, केवल चीनियों के पास ही अमेरिकियों का सामना करने लायक ताकत और कूवत है। शायद इसीलिए ट्रंप 'रूसी भालू' को गले लगाना चाहते हैं दृ यह करके वे उसे चीनी नेता की ड्रैगन जैसी पकड़ से दूर रखना चाह रहे हैं। यह अविश्वसनीय है कि ट्रंप ने इस मूल सच्चाई को इतनी जल्दी बूझ लिया, लेकिन वाशिंगटन डीसी के बाकी लोगों के भेजे में सालों तक यह बात नहीं आई। अच्छा, तो फिर ट्रंप युग में भारतीय विदेश नीति को लेकर कोई क्या–क्या सोचे? स्पष्टतः, मोदी सरकार ने ट्रंप से जल्द मिलने को जाकर ठीक किया, भले ही यह उसी समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीयों को असम्मानजनक तरीके से निर्वासित कर रहे थे। इसलिए मोदी ने कड़वी गोली जल्द निगल ली, क्योंकि उन्हें पता था कि उन्हें यह करना पड़ेगा दृ अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने जल्दी पड़ना और अपनी बात कहना। वाशिंगटन डीसी में मोदी की उपस्थिति से उनके पुराने नारे : 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' की याद भी ताजा हो गई, जोकि बाइडेन के लिए जेलेंस्की के समर्थन के एकदम उलट था। बाकी चीजें विदेश मंत्री एस जयशंकर चतुराई से साध रहे हैं। इसीलिए उन्होंने घोषणा कर दी कि भारत 'डी–डॉलराइजेशन' के साथ नहीं है, हालांकि रूस के कजान में चीन के नेतृत्व वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत ने ठीक यही करने में सहमति जताई थी, सालाना बजट पेश करने से पूर्व ही, लग्जरी मोटरसाइकिलों के लिए टैरिफ घटा दिया, क्योंकि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप यही करवाना चाहते थे। संक्षेप में, ट्रंप को खुश करने की कोशिश की जा रही है या कम से कम उन्हें शांत करने, उन्हें यह दिखाने की कि हमारा इरादा उनका नुकसान करने का नहीं है। आप जानते हैं कि वह एक अप्रत्याशित मिजाज वाले बंदे हैं– मैक्सिको और कनाडा पर जो शुल्क लगाने की उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी, फिलहाल उस पर अमल टाल दिया हैदृ सो उनको राजी रखने में भलाई है। यह दिखावा न करें कि आप गुटनिरपेक्ष हैं, जोकि आप वास्तव में नहीं हैं, और न ही उनके साथ अपनी दोस्ती बहुत गहरी होने के बारे में सार्वजनिक रूप से दम भरें, जैसा कि असुरक्षित 'दोस्तों' की आम आदत होती है। जहां तक आगामी अमेरिका–रूस संबंध मधुर होने की बात है, भारत के सामने पासा फेंका जा चुका है और बाजी खेलकर जीतनी होगी। यदि मोदी दांव अच्छे ढंग से खेल लेते हैं, तो पश्चिमी और पूर्वी, दोनों जगह भारत की स्थिति बेहतर बना पाएंगे। ट्रम्प–पुतिन–मोदी वाला एक शिखर सम्मेलन अब संभावना से बाहर नहीं है। सार यह कि मोदी सरकार को सत्ता के इस्तेमाल के बारे में कुछ नुक्ते सीखने चाहिए दृ मसलन, अपने दुश्मनों के साथ दोस्ती करना, अपने दोस्तों के साथ मित्रता निभाने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि मोदी चाहते हैं कि भारत एक क्षेत्रीय शक्ति बने, तो उन्हें पाकिस्तान को लेकर अपने पूर्वाग्रहों को आड़े नहीं आने देना चाहिए। यह जनता का जनता से संपर्क बहाल करने की इच्छा से कहीं अधिक अहम है दृ हालांकि जीवन में एक बार आने वाले खुशी के मौके जैसे कि विवाह या समारोह में पाकिस्तान से दोस्त–रिश्तेदारों का दिल्ली आना अद्भुत रहेगा– और इसके लिए दरकार है प्रधानमंत्री मोदी अपने वैश्विक–दृष्टिकोण में मौलिक रणनीतिक बदलाव लाएं। भारत कभी भी मजबूत नहीं होगा यदि उसे दोनों ओर से चीन–पाकिस्तान की धुरी का सामना करना पड़े। अपने बनिस्बत कमजोर, पश्चिमी पड़ोसी के साथ दोस्ती करके दृ जिसके साथ आपकी बहुत सी समानताएं भी हैं दृ क्यों न उन दोनों के बीच दूरी पैदा करें? लेकिन यह करने की बजाय, भारत ने चीन के साथ रिश्ते बहाल कर लिए और पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट कर रखा है। विराट कोहली, जिनके बारे में प्रधानमंत्री अक्सर ट्वीट करते रहते हैं, ने कुछ दिन पहले एक पाकिस्तानी बल्लेबाज, जिसके खिलाफ वे खेल रहे थे, उसके जूते के फीते बांधने के लिए झुककर राह दिखाई है, –यह उनके, उनकी खेल भावना और दुनिया में उनके रुतबे के सौम्य आत्मविश्वास का द्योतक है।

आस्था में पुण्य प्रदान करने का सामर्थ्य

डॉ. योगेन्द्र

समाज में एक बड़ी पुरानी कहावत चली आ रही है कि 'जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन' और 'जैसा पीए पानी, वैसी होए बानी'। इसका सीधा–सा अर्थ यह है कि हमारा चिंतन हमारे खान–पान के अनुसार ही बनता है। हमें संसार में द्वैत दिखलाई देता है यानी सच के साथ झूठ, दिन के साथ रात, ठण्ड के साथ गर्मी, सफेद के साथ काला और सकारात्मकता के साथ नकारात्मकता सदा रहती ही है। इसी द्वैत के भीतर हमें समाज में आस्तिकता और नास्तिकता का प्रभाव भी दिखाई देता आया है। हर आस्तिक व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति 'आस्था' होती है, जो व्यक्ति की जीवनी शक्ति बनती आई है। 'आस्था' की शक्ति को तुलसीदास के शब्दों में देखा जा सकता है इधर प्रयागराज में 'महाकुम्भ' बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ है, जहां 'आस्था का महासागर' हिलोरें ले रहा था और पूरे भारत से जाति, धर्म, वर्ग और ऊंच–नीच के भेद की परवाह किए बिना करोड़ों नर–नारी पतितपावनी मां गंगा में स्नान करने संगम–तट पर पहुंच रहे थे। इन करोड़ों नर–नारियों की शक्ति वस्तुतः उनकी 'आस्था' ही थी, जिसके बल पर वे रेलों और बसों के साथ ही पैदल चल–चल कर 'संगम तट' पर पहुंचे। आज जाने क्यों, ब्रह्ममुहूर्त में प्रयागराज के संगम तट से एक जोरों की बहस का स्वर सुनकर मुझे लगा कि इस बहस को तो अवश्य सुनना चाहिए। असल में यह बहस 'आस्था' और 'नास्तिकता' के बीच हो रही थी और चिढ़ी हुई नास्तिकता कुछ अधिक ही गुस्से में आस्था से सवाल पर सवाल पूछे जा रही थी। आस्था शांत भाव से उत्तर दे रही थी। नास्तिकता का सवाल सबसे पहले 'संगम तट' की गंगा से यह था ।

.....स्वास्थ्य.....

क्या खाते हैं जापान के लोग जो जीते हैं 100 साल

क्या आपने कभी सोचा है कि जापान के लोग इतनी लंबी उम्र क्यों जीते हैं? वहां के लोग अक्सर 100 साल से भी ज्यादा जीते हैं, और इसका राज उनके खास खानपान और लाइफस्टाइल में छिपा है। आजकल हम सब अपने खानपान और जीवनशैली पर ध्यान दे रहे हैं, तो क्यों न हम जानें कि जापानी लोग अपनी लंबी उम्र के लिए क्या

खाते हैं और कैसे रहते हैं। यहां हम जानेंगे उन चीजों के बारे में, जो जापान के लोग अपनी रोजाना की सुबह में खाते हैं और जो उन्हें 100 साल से ऊपर जीने में मदद करती हैं।

फर्मेंटेड फूड्स

जापानी लोग अपनी डाइट में फर्मेंटेड फूड्स को शामिल करते हैं, जैसे कि मिसो सूप, नातो (सोयाबीन से बना हुआ एक फर्मेंटेड फूड), और कोम्बू (समुद्री शैवाल)। फर्मेंटेड फूड्स में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो हमारी आंतों की सेहत को बढ़ाते हैं और पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं। यह बैक्टीरिया की वृद्धि में मदद करते हैं, जिससे शरीर में इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है।

प्लांट–बेस्ड प्रोटीन

जापानी लोग मांसाहारी खाना कम खाते हैं और अधिकतर अपनी डाइट में पौधों से प्राप्त प्रोटीन का सेवन करते हैं जैसे टोफू, सोया मिल्क, और सोया बीन। ये प्रोटीन के अच्छे स्रोत होते हैं और शरीर में आवश्यक पोषण की कमी को पूरा करते हैं। ये प्रोटीन शरीर में सूजन को कम करने और वजन को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।

सीफूड

जापान में सीफूड खाना एक बहुत सामान्य बात है। सैल्मन, टूना फिश, सार्डिन जैसी मछलियां जापानी आहार का हिस्सा होती हैं। मछलियों में ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं जो दिल और दिमाग की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। यह तनाव को कम करते हैं, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और उम्र को लंबा करते हैं।

कम तेल का सेवन

जापानी लोग अपने खाने में बहुत कम तेल का उपयोग करते हैं। वे तेल में तला–भुना खाना कम खाते हैं और ज्यादातर स्टिर–फ्राई या उबले हुए भोजन को पसंद करते हैं। इससे उनके शरीर में फैट की मात्रा कम रहती है, और उनका वजन कंट्रोल में रहता है। कम तेल का सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम रहता है, जो दिल के रोगों को दूर रखने में मदद करता है।

फल और सब्जियां

जापान के लोग अपनी डाइट में बहुत सारी फल और सब्जियां खाते हैं। जैसे कि सोया, पालक, गाजर, टमाटर, एवोकाडो आदि। इनसे शरीर को भरपूर विटामिन, मिनरल्स और फाइबर मिलता है, जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान करते हैं और शरीर को ताजगी और ऊर्जा देते हैं। साथ ही, ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं।

ग्रीन और हर्बल टी

जापानी लोग ग्रीन टी और हर्बल टी का सेवन नियमित रूप से करते हैं। ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं और रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाते हैं। हर्बल टी भी शरीर को शांति और आराम प्रदान करती है, और मानसिक तनाव को कम करती है। इन चायों का सेवन करने से शरीर में रक्त संचार भी बेहतर रहता है।

पोर्शन कंट्रोल

जापानी लोग खाना खाते समय यह ध्यान रखते हैं कि वे कितना खा रहे हैं। वे अपनी प्लेट में छोटे हिस्से लेते हैं और धीरे–धीरे खाते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे बहुत कम खाते हैं, बल्कि वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उनका पेट अधिक भरा हुआ न हो। छोटे हिस्सों में खाना खाने से पाचन तंत्र पर दबाव नहीं पड़ता और शरीर को ठीक से खाना पचाने का समय मिलता है। यह वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

व्यायाम और चलना

हालांकि यह आहार से संबंधित नहीं है, लेकिन जापानी लोग हर रोज चलने और हल्के व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। वे अधिकतर पैदल चलते हैं, जो उनके शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और मांसपेशियां मजबूत रहती हैं।

जापानी लोग अपनी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी डाइट पर खास ध्यान देते हैं।यह खानपान और जीवनशैली न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है, और यही कारण है कि जापानी लोग 100 साल से भी ज्यादा जीते हैं!

डिस्कलेमर– यह आर्टिकल केवल जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से है। किसी भी स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए कृपया अपने डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लें।

पीठ दर्द की अनदेखी कर रहे हैं? ये हो सकती है इस गंभीर बीमारी का पहला संकेत

अगर आपकी पीठ में लगातार दर्द बना रहता है, तो इसे नजरअंदाज करना आपके लिए खतरे का संकेत हो सकता है। यह दर्द किसी मामूली समस्या का नहीं, बल्कि एक गंभीर बीमारी का पहला लक्षण हो सकता है, जैसे स्कोलियोसिस, जो आपकी रीढ़ की हड्डी को प्रभावित कर सकती है। समय रहते इलाज न मिलने पर यह दर्द और भी बढ़ सकता है और आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है। तो अगर आप भी पीठ के दर्द से परेशान हैं, तो इसे हल्के में न लें, जानें इसके लक्षण और सही इलाज के बारे में।

स्कोलियोसिस– रीढ़ की हड्डी का टेढ़ा होना

रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह हमारे शरीर के वजन को सहन करने का काम करती है। लेकिन जब रीढ़ की हड्डी कमजोर या टेढ़ी हो जाती है, तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। स्कोलियोसिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें रीढ़ की हड्डी एक ओर मुड़ जाती है। यह समस्या आमतौर पर किशोरावस्था में दिखाई देती है। स्कोलियोसिस का सही समय पर इलाज होना बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर इसका इलाज न किया जाए, तो यह भविष्य में और भी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है।

स्कोलियोसिस के कारण

स्कोलियोसिस किशोरों में कई कारणों से हो सकता है, जैसे जीन, हार्मोनल बदलाव या रीढ़ की हड्डी में चोट लगना। हालांकि, कई बार इसके कारण का पता नहीं चल पाता। स्कोलियोसिस के लक्षणों में शामिल हैं

लगातार पीठ में दर्द

कपड़े ठीक से फिट न होना

हिप में दर्द

उठने–बैठने में परेशानी

एक्सपर्ट की राय

स्कोलियोसिस का इलाज शुरुआत में शारीरिक जांच से किया जाता है। इस दौरान डॉक्टर आपके हिप या कंधों को चेक करते हैं। अगर डॉक्टर को स्कोलियोसिस का संदेह होता है, तो एक्स–रे से रीढ़ की हड्डी की स्थिति का पता लगाया जाता है। यदि रीढ़ की हड्डी की टेढ़ाई 25 डिग्री से कम है, तो डॉक्टर हर छह महीने में जांच करने की सलाह देते हैं।

स्कोलियोसिस का इलाज

मध्यम टेढ़ापन (25–40 डिग्री)रू इस स्थिति में बैक ब्रेस पहनने की सलाह दी जाती है। यह ब्रेस स्कोलियोसिस को ठीक नहीं करता, लेकिन स्थिति को बिगड़ने से रोकता है।

गंभीर टेढ़ापन (40 डिग्री से अधिक)– इस स्थिति में डॉक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं, ताकि रीढ़ की हड्डी को सही किया जा सके।

स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी की प्रक्रिया

स्पाइनल फ्यूजन एक सामान्य सर्जरी है, जिसमें रॉड, स्क्रू और हड्डी के ग्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाता है। इससे प्रभावित हड्डियों को स्थायी रूप से जोड़ दिया जाता है। यह सर्जरी दर्द को कम करने और शरीर की मुद्रा को सही करने में मदद करती है। इस तरह, ब्रेसिंग और सर्जरी के माध्यम से डॉक्टर यह सुनिश्चित करते हैं कि स्कोलियोसिस का शारीरिक विकास पर कोई बुरा असर न पड़े।

कुल मिलाकर, स्कोलियोसिस का इलाज सही समय पर कराना बहुत जरूरी है, ताकि भविष्य में इससे जुड़ी समस्याएं न बढ़ें।

होलिका दहन तथा होली पर्व पर अगर किसी ने हुड़दंग करने की कोशिश की तो उसे जेल जाना तय है

अयोध्या। होली को सकुशल तथा शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करने के लिए कोतवाली नगर व कैंट पुलिस ने फूल प्रूफ योजना बना ली है।इन दोनों थाना क्षेत्रों के सभी होलिका दहन स्थल सीसीटीवी कैमरे से लैस तथा वहां पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। होली पर्व को देखते हुए पुलिस ने अवैध रूप से शराब कारोबारी पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।यह बातें को सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया। बताया कि इस बार कोतवाली नगर तथा थाना कैंट क्षेत्र में कुल 207 होलिका दहन स्थल चिन्हित किया गया है जिसमें 196 जगह पर होलिका दहन होगा। बताया कि सभी होलिका स्थल सीसीटीवी कैमरे से लैस होंगे जिससे वहां की सारी गतिविधियां कैमरे मे कैद होगी। बताया कि इनमें 9 होलिका स्थल अति संवेदनशील तथा 19 होलिका स्थल संवेदनशील है।अति संवेदनशील होलिका स्थल पर एक उप निरीक्षक तथा पर्याप्त संख्या में कांस्टेबल वही संवेदनशील होलिका स्थलों पर पुलिस तथा पिकेट तैनात रहेगी।बताया कि शहर में कुल 107 मस्जिद है,जिसमें 87 मस्जिद सीसीटीवी की निगरानी में रहेंगे।बताया कि 13 को 10 बजकर 37 बजे पर होलिका दहन होगा। होलिका दहन तथा होली के दौरान डीजे पर विशेष सतर्कता बढ़ती जाएगी। इन स्थानों पर सिर्फ दो ही साउंड बॉक्स लगाने की अनुमति रहेगी।डीजे पर ऐसी कोई गाने ना बजे जिससे अश्लीलता नजर आए अगर ऐसा कोई करता पाया गया तो पुलिस उसके खिलाफ कार्यवाही करेगी।उन्होंने बताया कि होली पर्व को देखते हुए कैंट पुलिस ने कच्ची शराबों पर शिकंजा कसने का कार्य शुरू कर दिया है।जिसमें लाखों की लागत से लहन, भट्टी, ईंधन आदि को कैंट पुलिस ने नष्ट किया।बताया कि छापे के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट पंकज सिंह के नेतृत्व में कैंट क्षेत्र के तारापुर राजौरी निवासी डब्लू निषाद,रंजीत निषाद तथा चौधरी निषाद के ऊपर कार्यवाही किया। उन्होंने बताया कि छापे के दौरान लगभग 5 लाख रुपये की लागत की लहन, भट्टी, ईंधन व कच्ची शराब नष्ट कराया।बताया कि होली के बाद भी इन सभी आरोपियों और गांव में सभी जगह इन पर अंकुश लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे जिसके माध्यम से इनके घरों के आसपास की सारी गतिविधियों पर पुलिस नजर रखेगी।

अवैध शराब के कारोबारी के चलते राजस्व की हो रही क्षति,डीईओ के मुताबिक बीच बीच मे विभाग कसता है शिकंजा

अयोध्या। जिले थाना महराजगंज के अलावा थाना तारून, कोतवाली बीकापुर,थाना कैंट,कोतवाली नगर,अयोध्या कोतवाली सहित अन्य थानों में भी अवैध शराब का धंधा अवैध शराब का धंधा एक कुटीर लघु उद्योग ले चुका है।इन स्थानों पर सुबह से देर शाम तक जहां एक अवैध रूप से कच्ची शराब की भट्टिया धधकती रहती है।वही कई जगहों पर चोरी अवैध रुप से शराब भी बिक रही है।जिस पर आबकारी विभाग अंकुश लगाने में विभाग दिखाई दे रहा है।वहीं पुलिस विभाग का कहना है कि जब छापे के दौरान आबकारी विभाग उनसे मदद मांगती है तो पुलिस छापे के दौरान मौजूद रहती है।अवैध रूप से कच्ची शराब के कारोबार से सरकारी खजाने पर लाखों रुपए की चोट होती है।लेकिन अवैध शराब के धंधे में शामिल कारोबारी के चलते और आबकारी तथा स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें संरक्षण देने के चलते लाइसेंस धारी बीयर बार, बियर, अंग्रेजी शराब कारोबारी में काफी आक्रोश है।उनका कहना है कि अवैध शराब के कारोबार के चलते उनका धंधा चौपट हो रहा है।क्योंकि इन पर आबकारी विभाग तथा स्थानीय पुलिस कोई शिकंजा नहीं कस रही है।बताते चलें कि कई थाना क्षेत्र ऐसे है जहां आबादी के बावजूद भी अवैध रुप से शराब का धंधा आज तक फल फूल रहा है।जिले मे आबकारी विभाग तथा पुलिस विभाग के कई अधिकारी आए और चले गए परंतु इन जगहों पर काफी संख्या में फल फूल रहा अवैध रूप के शराब मैं ना तो कोई कमी आई और ना ही इसमें शामिल कारोबारी पर कोई शिकंजा कसा गया।देखा जाए तो पिछले साल क्षेत्रवासियों को छोड़िए अवैध रूप से संचालित शराब के कारोबारी की पहुंच उन लोगों तक है इनके खिलाफ कार्यवाही करने वाले स्थानीय पुलिस,नेताओं,कथित तौर पर पत्रकारों, संभ्रान्त लोगों को इनके आगे घुटने टेकना पड़ा है।आज से नहीं बल्कि कई वर्षों से अवैध रुप से संचालित कच्ची शराब के कारोबारियो द्वारा आबकारी एक्ट का खुलेआम धंधेबाज मजाक भी उड़ाते हुए देखे जा सकते हैं।कहते है कि खड़े खड़े बेल होती है।पुलिस भी अक्सर बीच बीच मे अभियान चलाकर ऐसे ही अभ्यस्त कारोबारियो को पकड़ कर दस पांच लीटर अवैध शराब बरामद कर अपनी पीठ थपथपा लेती है।बीकापुर, कैट, अयोध्या व नगर कोतवाली के कई मोहल्ले,गांव हैं, जहां पर अवैध रूप से शराब बिक रहा है।इससे पहले जिले मे एसएसपी रहे मुनिराज के निर्देश पर अवैध रूप से शामिल इन कारोबारियो पर शिकंजा कसने के लिए सीओ सदर रहे डॉक्टर राजेश तिवारी ने थाना महाराजगंज, थाना गोसाईगंज में छापा मारकर भारी मात्रा में लहान तथा अवैध रूप से कच्ची शराब बरामद किया था उसके बाद इस मामले में महाराजगंज थाना अध्यक्ष रहे दिनेश सिंह को तथा पूरा बाजार चौकी प्रभारी को वहां से हटा दिया था। उसके बाद से आज तक अभी क्षेत्र वासियों की माने तो ना तो आबकारी विभाग और ना ही स्थानीय पुलिस इन पर शिकंजा कसने की कोशिश कर रहा है।देखा जाये तो तारून थाना क्षेत्र के बालापुर, सोनेडाड़, मठिया, गंगापुर, तारापुर, बरेहटा, मनऊपुर, तकमौनगंज, केशरूआ, परसावां महोली सहित दर्जनों गांव में दिन भर अवैध शराब का कारोबार होता है।बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के तोरोमाफी,दराबगंज,जलालपुर माफी मलेथू कनक, बछौरा, बछरामपुर, सूल्हेपुर, सहित तमाम गांव में धंधा तेजी से फल फूल रहा है।अयोध्या कोतवाली और कैंट एवं सिटी कोतवाली क्षेत्र के दर्जनों स्थानों और सरयू नदी के कछार में बड़े पैमाने पर अवैध कच्ची शराब का धंधा फलफूल रहा है,यहां पर तो पुलिस से बाकायदा ठेकेदार सेटिंग कराते हैं कुछ कथित नेता है तो कुछ कथित मीडिया से भी जुड़े बताए जाते हैं।रौनाही थाने के सत्ती चौरा चौकी अंतर्गत सारंगपुर, महाराजा पुरवा, सीबार, गुलालपुर में भी अवैध शराब का धंधा तेजी से चलता है।इसके अलावा हैदरगंज, कुमारगंज, इनायतनगर, खंडासा, रुदौली, गोशाईगजं,पूरा कलन्दर सहित सभी थाना क्षेत्र में अवैध शराब स्थानीय पुलिस के लिए फायदेमंद धंधा माना जाता है।जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि बीच बीच में इन पर विभाग द्वारा शिकंजा कसा जाता है। बताया कि एक होली को देखते हुए 1 मार्च से अब तक 51 गांवो में 225 जगहों पर विभाग द्वारा छापे मारे गए।बताया कि आबकारी विभाग ने इनमें शामिल 31 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है तथा 1309 लीटर अवैध मदिरा बरामद कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार का जेल भेजा गया।

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या करने वालों को दी जाए फांसी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) सीतापुर के वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की निर्मम हत्या से पूरे पत्रकार जगत में आक्रोश फैल गया है। हरदोई पत्रकार एसोसिएशन ने इस जघन्य हत्या की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की है। मंगलवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु मिश्र के नेतृत्व में पत्रकारों ने सिटी मजिस्ट्रेट सुनील त्रिवेदी व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के परिजनों को

एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की गई। साथ ही प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस मौके पर जिले के कई वरिष्ठ पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने सरकार से मांग की है कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जीपीए मीडिया न्यूज कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

पिहानी (हरदोई)। पिहानी कस्बे के बाबा मैरिज हाल में जी पी ए मीडिया न्यूज कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन एडिशनल एसपी हरदोई मार्तंड प्रकाश सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर जीपीए न्यूज व ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पत्रकारों व गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी के सदस्यों की ओर से यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के उपरांत गायत्री प्रज्ञा पीठ पिहानी पर भक्ति संगीत का कार्यक्रम हुआ। भक्ति संगीत कार्यक्रम का शुभारंभ एडीएम न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी ,सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, एसडीएम सुशील, एसडीएम माधव उपाध्याय व वरिष्ठ समाजसेवी मनीष मिश्रा ने किया। सभी अधिकारियों ने भक्ति संगीत के कार्यक्रम में भजन भी गाये। पिहानी लेखपाल आशीष बाजपेई को तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सारी व्यवस्थाएं वेद प्रकाश पाल, राजकुमार उग्रसेन दिलेर सिंह ने देखी।इस मौके पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन लखनऊ मंडल अध्यक्ष

अतुल कपूर , जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह, महामंत्री रजनीश सिंह, पत्रकार फूल सिंह यादव,पत्रकार संजय सिंह,पत्रकार अजीत सिंह बरमौहला, पिंटू मिश्रा, सागर पांडेय, पत्रकार अजीत सिंह मसफना, नरवीर, पत्रकार रजनीकांत,गायत्री परिवार के कमल सिंह ,शत्रुघ्न सिंह ,रामू सिंह, सर्वेश शर्मा, रामेश्वर शर्मा, सुरेश शर्मा, पत्रकार बबलू प्रजापति,पत्रकार सर्वेश कुमार, गौरव कपूर,बालकृष्ण गुप्ता देशराज कश्यप भंडारी, कई लोग मौजूद रहे। पिहानी कोतवाल विद्यासागर, हरियावा एसओ बालेंद्र मिश्रा, यातायात प्रभारी हरिनाथ यादव, कस्बा इंचार्ज ,अनेक पाल सिंह समेत भारी पुलिस मौजूद रहा। संगीत टोली के देवेंद्र मिश्रा रजनीश मिश्रा अनु शर्मा ने भजन गीत प्रस्तुत किया। पिहानी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य गौतम मिश्रा ने काव्य पाठ करके तालियां बटोरी।

ज्ञानधारा ने 7 वर्षों की सफलता का जश्न मनाया, होली मिलन समारोह में लॉन्च किए दो नए उत्पाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अग्रणी पशु आहार ब्रांड ज्ञानधारा ने अपनी 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जिसमें वितरकों, व्यापार भागीदारों और ज्ञानधारा परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस खास मौके पर होली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया, जहां रंगों, विश्वास और साझेदारी के इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर ज्ञानधारा ने दो नए पशु पोषण उत्पादकृ 'मैस्टी–शील्ड' और 'एसएनएफ पावर प्लस'कृ लॉन्च किए। ये उत्पाद पशुओं के स्वास्थ्य को मजबूत करने, दूध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों की आय में सुधार लाने के लिए वैज्ञानिक रूप से विकसित किए गए हैं। इस अवसर पर सी.पी. ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री जय अग्रवाल ने कहा ष्सात वर्षों की इस शानदार यात्रा में हमें किसानों, पशुपालकों और वितरकों का जो अपार समर्थन मिला है, वह हमारे लिए गर्व की बात

है। हमारी प्रतिबद्धता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि हम अपने पशुपालकों को अत्याधुनिक पोषण समाधान प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित हैं। 'मैस्टी–शील्ड' और 'एसएनएफ पावर प्लस' इसी दिशा में हमारा नया कदम हैं। कार्यक्रम में ज्ञान डेयरी के वाइस प्रेसिडेंट श्री जतिंदर सूद, ज्ञानधारा ऑपरेशंस हेड श्री दुर्गेश अवस्थी, विभिन्न जिलों से आए वितरक, व्यापार भागीदार और पूरी ज्ञानधारा टीम उपस्थित रही। सभी ने रंगों, उल्लास और पारंपरिक गुझिया के साथ इस सफलता का जश्न मनाया। इस आयोजन ने यह दर्शाया कि ज्ञानधारा आने वाले वर्षों में भी नवाचार, गुणवत्ता और सेवा के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि पशुपालन उद्योग को अधिक समृद्ध और लाभकारी बनाया जा सके।

मरुधर एक्सप्रेस ट्रेन के पहिए से निकला धुआं मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जोधपुर से चलकर वाराणसी तक जाने वाली मरुधर एक्सप्रेस ट्रेन में मंगलवार सुबह उस समय अफरातफरी मचा गई जब ट्रेन जौनपुर जंक्शन स्टेशन से वाराणसी की तरफ रवाना हुई की तभी जफराबाद स्थित जौनपुर जंक्शन से जौनपुर सिटी को जोड़ने वाली ट्रैक के समीप जोधपुर से वाराणसी सिटी जाने वाली 14854 मरुधर एक्सप्रेस के जनरल बोगी में धुआं निकलने लगा जिसके कारण 8:44 बजे लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा कर रोक दिया गया। सूचना पर पहुंचे रेलवे के इंजिनियर ने ब्रेक सही किया फिर ट्रेन वाराणसी को रवाना किया है। जौनपुर जंक्शन पर यह ट्रेन 7:50 प्लेटफार्म दो पर खड़ी होने के बाद 8:27 पर बाबतपुर वाराणसी के चलने के पश्चात जफराबाद स्टेशन से पहले जनरल कोच के पहिया जाम होने से ब्रेक सू में धुआं उठने पर गार्ड के बताने पर लोको पायलट ने गाड़ी को रोक दिया। लोको पायलट ने ठीक कर 9:02 के लगभग जफराबाद तक धीमी गति से ले जाकर ठीक होने पर आगे ले जाने की बात कही है। ट्रेन में बैठे यात्री हल्कान रहे।ट्रेन में बैठे सभी यात्री सुरक्षित हैं।वही इस मामले में रेलवे पथ निरीक्षक नवीन राय ने बताया कि अक्सर दूर की ट्रेनों में ब्रेक लगाने पर ब्रेक सु जाम हो जाता है इस कारण रगड़ से धुआं निकल जाता है। कोई खास बात नहीं है उसे सही करके ट्रेन वाराणसी की तरफ रवाना किया गया है। सभी यात्री सुरक्षित है।

महिला दिवस प्रबुद्ध नारियों का हुआ सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को प्रभु कृपा सर्व सेवा संस्थान की ओर से आयोजित महिला एवं सांस्कृतिक सम्मान में प्रबुद्ध महिलाओं का सम्मान किया गया। इंदिरानगर के लिबर्टी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल, महिला आयोग अध्यक्ष बबिता सिंह, राष्ट्रसेविका समिति की क्षेत्र प्रचारिका शशि, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक ने महिलाओं को सम्मानित किया। संयोजक मनोज अवस्थी ने बताया कि चिकित्सा व समाजसेवा के क्षेत्र में डॉ. सविता भट्ट तिवारी, साहित्य में कवयित्री डॉ. राधा बिष्ट, समता बाफिला, पुष्पा वैष्णव, मीना अधिकारी, रेनू कांडपाल, भाजपा नेत्री हेमा डोबरियाल समेत सफाईकर्मी, पेट्रोल पंप पर काम करने वाली महिलाएं, नर्सिंग स्टाफ व कैटरिंग स्टॉलों पर सेवाएं देने वाली महिलाओं का सम्मान कर संस्था गौरवान्वित है।

मेले में साहित्य के साथ भायीं आध्यात्मिक पुस्तकें

लखनऊ, (संवाददाता)। रवींद्रालय में चल रहे नौ दिवसीय लखनऊ पुस्तक मेले का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान साहित्य के साथ ही आध्यात्मिक पुस्तकों की खूब मांग रही। बच्चों की किताबें भी खूब बिकीं। आखिरी दिन साहित्यिक मंच पर कवि सम्मेलन में कविताएं गूंजीं तो वहीं पुस्तक विमोचन के साथ प्रतिभागियों का सम्मान भी किया गया। मेला निदेशक आकर्ष चंदेल ने बताया कि इस बार तकरीबन 25 लाख रुपये से अधिक मूल्य की किताबें बिकीं। आकर्ष चंदेल ने बताया कि बच्चों और युवाओं की भागीदारी मेले में सर्वाधिक रही। हिंदी और अंग्रेजी साहित्य के साथ आध्यात्मिक पुस्तकें भी लोगों ने खूब पसंद कीं। समापन समारोह में चिल्ड्रेन बुक ट्रस्ट, दिव्यांश पब्लिकेशंस, नवपल्लव, अदित्रि बुक्स, राष्ट्रधर्म प्रकाशन, नमन प्रकाशन, नवपल्लव, बोधरस प्रकाशन आदि अन्य प्रतिभागी प्रकाशनों, वितरकों और यूपी त्रिपाठी, ज्योति किरन रतन आदि सहयोगियों को मेला संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इससे पहले मंच पर गौतम चटर्जी के पुस्तक काशी शैविज्म का विमोचन कथक नृत्यांगना और पं. बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर ने किया। प्रो. प्रकाश ने कहा कि पुस्तक विषय पर लेखक की गहन पैठ से निकली है। इस अवसर पर लमही के संपादक विजय राय, कला वसुधा के संपादक शाखा बंद्योपाध्याय आदि की मौजूदगी रही। सुबह के सत्र में लक्ष्य संस्थान का कवि सम्मेलन उमेश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में हुआ। डॉ. शरद पांडेय शशांक के संचालन में मानस मुकुल त्रिपाठी मानस, कुलदीप शुक्ल, मंगल सिंह, विश्वम लवलीन, सुनील कुमार वाजपेई, सीमा, मिशा सिह नवल, अनुजा मनु, गायत्री जोशी अरुणिमा, प्रवीण कुमार शुक्ल गोबर गणेश, मनमोहन बाराकोटी, शिवमंगल सिंह मंगल, श्याम मिश्र, कृपाशंकर श्रीवास्तव विश्वास, सुनील वाजपेयी व डॉ. निशा सिंह ने रचनाएं पढ़ीं।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में किया गया रुद्राभिषेक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अवध प्रांत के अध्यक्ष एवं कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि उन्होंने नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सपरिवार रुद्राभिषेक किया। उन्होंने बताया कि कल नरमदेश्वर महादेव मन्दिर, महानगर लखनऊ में, महादेव के रुद्राभिषेक कार्य क्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के साथ सपरिवार पूजन में सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर

पर पुत्र राजीव सिंह, आशुतोष सिंह, पौत्र विहान सिंह, ब्रजेश जी और भरत जी ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन पंडित श्यामलेश ज्योतिषाचार्य, और अन्य आचार्यों ने विधिवत संपन्न कराया। संपूर्ण व्यवस्था मनोज गोयल के परिवार ने की।भजन गायकों ने भोले बाबा के भजन सुनाकर सभी को भोले की भक्ति में आनंदित कर दिया।होली मिलन का प्रतीक रंग लगाकर होली की आपस में शुभ कामनाएं दीं,मंत्री जी और, मैंने माँ भारती की सेवा में दिन रात कार्य कर रहे सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के साथ सभी देशवासियों को होली की शुभ कामनाएं दीं।प्रसाद वितरण और भोजन का आनंद लिया,,भोले बाबा की जय, भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के साथ कार्य क्रम का समापन हुआ,, जय भोले नाथ,,

सीडीओ ने किया खिलता बचपन पत्रिका का विमोचन

अयोध्या। मंगलवार को बेसिक शिक्षा परिषद के चयनित पीएम श्री विद्यालयों से पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के लिखे लेखों, कविताओं , कहानियों, यात्रा वृतांत को पीएम श्री की त्रैमासिक पत्रिका षखिलता बचपनष पत्रिका का विमोचन सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह,बीएसए संतोष कुमार राय,संयुक्त शिक्षा निदेशक जिला समाज कल्याण अधिकारी डायट प्रवक्ता लालचंद ने संयुक्त रुप से किया।इस पत्रिका में छात्र–छात्राओं के लिखे पत्र या रचनाओं को सम्मिलित करते हुए संपादक मंडल की टीम द्वारा पुनः प्रत्येक बिंदुओं पर समीक्षा के उपरांत आगामी हर त्रैमासिक पंजिका में सम्मिलित किया जाएगा।बताते चले कि इस पत्रिका का निर्देशन डायट प्राचार्य के मार्ग

दर्शन व बीएसए संतोष कुमार राय का रहा।इस मौके पर समन्वय मंडल में वरिष्ठ खंड शिक्षा अधिकारी अमित श्रीवास्तव और डीसी प्रशिक्षण आदर्श सिंह शामिल रहे।संपादन मंडल में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रवक्ता देवेंद्र सिंह,एस आर जी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी और पीएम श्री विद्यालयों के शिक्षक अनूप मल्होत्रा और सदक ए हुसैन शामिल हैं।

नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक में नहीं पहुंचे पदाधिकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम कार्यकारिणी की सोमवार को प्रस्तावित बैठक पदाधिकारियों के अनुपस्थित रहने के कारण नहीं हो सकी। कार्यकारिणी के 12 सदस्यों में से सिर्फ दो बैठक के लिए पहुंचे। नगर निगम कार्यकारिणी में भाजपा के 10 सदस्य हैं जिसमें से सिर्फ दो पहुंचे। वहीं, सपा के दो सदस्य हैं और दोनों ही अनुपस्थित रहे। बैठक न होने बजट नहीं पास हो सका। इस पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने नाराजगी जताई।

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला आया सामने

लखनऊ, (संवाददाता)। अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया है। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित कई पुस्तकें, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। पालपुर कस्बे के एक मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर 100 से अधिक महिला पुरुष जमा हुए थे। किसी ने धर्म परिवर्तन की सूचना हिन्दू धर्म संगठन और पुलिस को दी। जानकारी पर सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना प्रशांत सिंह व प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव फोर्स संग मौके पहुंचे। घर के भीतर जाकर देखा तो छत पर बड़ी संख्या में आस पास गांवों के महिला पुरुष बच्चे मौजूद मिले। ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें, डायरी, पैंपलेट, माइक, डफली सहित ऑडियो सिस्टम सहित कई सामान बरामद हुआ। मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद कुछ को घर से तो कुछ को थाने लाने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस संदिग्ध पांच महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्म परिवर्तन एक संगठित तरीके से कराया जा रहा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी की जा रही है कि क्या वे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर रहे थे या किसी लालच, भय अथवा दबाव में आकर ऐसा कर रहे थे। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. सुरेश ने रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स, इंग्लैंड से प्रशिक्षण प्राप्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। क्लबफुट रोग, जिसे जन्मजात टैलिप्स इक्विनोवरस के रूप में भी जाना जाता है, भारत में एक आम जन्मजात विकृति है, जो हर 1,000 बच्चों में से लगभग 1–2 को प्रभावित करती है। यह पैर के अंदर और नीचे की ओर मुड़ने की विशेषता है, जो एक या दोनों पैरों को प्रभावित कर सकता है। इसकी व्यापकता के बावजूद, भारत में क्लबफुट के कई मामले अनुपचारित या कम उपचारित रहते हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। शहरी क्षेत्रों में क्लबफुट के साथ पैदा होने वाले केवल 20–25: बच्चों को ही उचित देखभाल और उपचार मिलता है। डॉ. सुरेश चंद, एसोसिएट प्रोफेसर पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स, केजीएमयू लखनऊ भारत के उन कुछ डॉक्टरों में से एक थे, जिन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित और रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (इंग्लैंड) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम देने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। यह 5–दिवसीय ट्रेनिंग द ट्रेनर एक अनूठा अवसर था।CURE India vkSj Global Clubfoot Initiative (GCI) द्वारा हमारे लिए लाया गया। यह प्रशिक्षण XN/XV और फिलीपींस के प्रशिक्षकों द्वारा दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दिया गया। यह मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम हमें भारत और विश्व स्तर पर क्लबफुट पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षक बनने के लिए तैयार करेगा।

8वीं में पढ़ने वाली छात्रा के साथ प्रधाध्यापक द्वारा किए गया छेड़खानी,मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद में एक शर्मनाक घटना सामने आई है।जिसने गुरु और शिष्य के रिश्ते को तार तार कर दिया है।आरोप है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधाना अध्यापक ने अपने ही विद्यालय की आठवी की छात्रा के साथ की अश्लील हरकत कर दी।फिलहाल पुलिस ने प्रधाना अध्यापक के खिलाफ यौन उत्पीड़न के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला मछली शहर थाना क्षेत्र के एक उच्च प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा है जहां कक्षा 8 वीं की छात्रा के साथ प्रधाध्यापक द्वारा अश्लील हरकत, छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्रा ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि उच्च प्राथमिक विद्यालय बटनहित में पढ़ने जाती है। विद्यालया के प्रधानाचार्य रमाकान्त यादव के साथ 8 मार्च को पवारा थाना क्षेत्र के एक खेल प्रतियोगिता में भाग लेने पहुची थी।घर लौटते समय प्रधान अध्यापक रमाकान्त यादव ने बाइक रोककर बैठाया और वापस आते समय रास्ते में अपनी गाड़ी रोककर लड़ध्की का हाथ पकड़कर अश्लील हरकते करने लगे। छात्रा ने जब इसका विरोध किया तो शादी करने का झांसा देने लगे बोले चलो तुम्हे मछली शहर होटल में नास्ता कराते है जिसको छात्रा ने मना कर दिया फिर अध्यापक ने बोला कि किसी को इस विषय मे कुछ बताया तो परिक्षा में फेल कर दूंगा । लेकिन छात्रा ने हिम्मत जुटाई और अपने घर आकर अपने माता–पिता को आप बीती बताई ।जब इस बात की जानकारी माता–पिता को हुई तो रविवार अवकाश होने के चलते सोमवार को विद्यालय में पहुंच कर अध्यापक से जानकारी लेना चाहा तो गाली गलौज करते हुए अध्यापक रमाकान्त यादव मारपीट करने पर आमादा हो गया इसकी जानकारी थाने पर दी गयी परंतु कोई कार्यवाही नही हुई । पीड़िता ने सोमवार को इसकी शिकायत एसपी से करने मुख्यालय पहुची तो पुलिस वाले बोले थाने पर जाओ तुम्हारा मुकदमा लिख लिया गया है।फिलहाल पुलिस ने पीड़िता का मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गई है। वही इस मामले में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि क्षेत्र के नखतपुर से एक शिकायत प्राप्त हुई थी कि एक उच्च प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा ने प्रधानाध्यापक के ऊपर आरोप लगाया है कि 8 मार्च को विद्यालय से सम्बन्धित खेल कूद कार्यक्रम के लिए एक जगह ले गए थे जहां से घर वापस लौटते समय मेरे साथ छेड़खानी किए है । छात्रा की तहरीर पर मामला दर्ज करके विधिक कार्यवाही की जा रही है।मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों की डांस की प्रस्तुति ने मन मोहा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

स्ट्रांग रूट्स प्री–स्कूल, शाहाबाद का वार्षिकोत्सवध्नुअल रिजल्ट डे का आयोजन रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक मैरीज लॉन में बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।समारोह का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और ष्हम होगे कामयाब एक दिनष् गीत पर नन्हे मुन्ने बच्चो की मनोहर प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ।इस अवसर पर स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हम सबका प्रयास बच्चो की नींव को मजबूत करना होना चाहिए।बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार छोटे बच्चों के भविष्य को संवारते है।स्ट्रॉग रूट प्री स्कूल आज शाहाबाद का एक ब्रांड है और उसके ब्रांड एंबेसडर हमारे बच्चे और अभिभावक है।

इस मौके पर डॉ शारिक परवेज,पूर्व सभासद आलोक पाठक,स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव,दीपू अवस्थी,डॉ मनीष शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार बच्चों को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। बेस्ट स्टूडेंट्स ऑफ ईयर का अवॉर्ड स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चे इजहान खान,मिस्टर परफेक्ट का अवार्ड अभिनंदन मिश्रा,और बेस्ट स्टडी बॉल के लिये शानवी सिंह,आदविक मिश्रा, अनुव्रत और फैंसी ड्रेस कंपटीशन में विवान पाठक,तन्मय श्रीवास्तव,प्रिशा वर्मा,स्कंद मिश्रा को प्राइज दिया गया।स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के अंत में आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें आशा और विश्वास ही नहीं यकीन है कि भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग और स्नेह मिलता रहेगा।उन्होंने कहा कि हम सबके कुशल मार्गदर्शन में स्कूल के बच्चे होनहार होकर अच्छी सफलता पाएंगे।अपने बच्चो की बेहतर शिक्षा और अच्छे संस्कार के लिए अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन तंत्र की तारीफ की लोग स्कूल की।कार्यक्रम के समापन में होली पर्व के अवसर पर बच्चों ने जमकर रंगों के साथ होली खेलकर एंजॉयमेंट किया।वार्षिकोत्सव में राखी त्रिपाठी,सदफ खान, ऐमन,इरम,मोनिका, शना,दिव्यांशी आदि ने खासा योगदान किया।

मुख्यमंत्री आगमन की तैयारी पूरी आईजी ने किया निरक्षण दिया आवश्यक निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में तीन दिवसीय महोत्सव के समापन पर बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। एसपी डॉ कौस्तुभ ने बताया कि जौनपुर महोत्सव और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए जनपद की और बाहरी जनपदों की पुलिस फोर्स तैनात की गई है। जिलाधिकारी और एसपी ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और राजस्व

विभाग के अधिकारियों की ब्रीफिंग की है। वाराणसी रेंज के आईजी मोहित गुप्ता ने स्वयं आकर सभी अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यक बदलावों और ड्यूटी आवंटन की समीक्षा की। सुरक्षा कारणों से कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ड्रोन और एंटी–ड्रोन सिस्टम से क्षेत्र की निगरानी कर रही है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि अगर किसी को होटल, लॉज या किसी घर में कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

अंसल के खिलाफ 11 और एफआईआर, तीन साल पहले शुरू हुई थी ईडी की जांच, फिर कर दी गई थी बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। अंसल कंपनी के खिलाफ मुकदमों का सिलसिला लगातार जारी है। अब हजरतगंज में एक एवं सुशांत गोल्फ सिटी थाने में 10 और एफआईआर दर्ज की गई हैं। सभी मामलों में पीड़ितों ने कंपनी व कंपनी के लोगों पर धोखाधड़ी व जालसाजी का आरोप लगाया है। अलग–अलग मामलों में अंसल कंपनी, इसके कर्ताधर्ता सुशील अंसल, प्रणव अंसल सहित धीरज सिंह, अभिजीत, सुनील गुप्ता तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए हैं। अंसल ग्रुप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने तीन वर्ष पहले भी जांच शुरू की थी, जो अचानक ठप हो गई। नतीजतन, निवेशक अपनी जमा पूंजी वापस पाने के लिए भटकते रहे। अब अंसल के खिलाफ दोबारा कई मुकदमे दर्ज करने का सिलसिला शुरू होने पर ईडी में भी पुरानी फाइल को खंगाला जा रहा है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि जांच को किसी आधार पर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था और इसके पीछे किन अधिकारियों की भूमिका थी। बता दें कि अंसल ग्रुप के खिलाफ पुलिस में दर्ज शिकायतों के बाद राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने भी पड़ताल शुरू की थी। ईडी के तत्कालीन अधिकारियों ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट समेत पांच राज्यों में अंसल के खिलाफ दर्ज मुकदमों का ब्योरा भी जुटा लिया था। जिसके बाद मुकदमों में हुई कार्यवाहियों के बारे में भी जानकारी तलब की थी। सूत्रों की मानें तो ईडी के निशाने पर एक पूर्व आईएएस और अंसल ग्रुप के तत्कालीन एमडी थे, जिन्हें पूछताछ के लिए नोटिस भी भेजा गया था। इसके अलावा अंसल ग्रुप में 150 करोड़ रुपये निवेश करने वाले एक एनआरआई भी ईडी जांच के दायरे में आ गए थे। हालांकि अचानक पूरी जांच प्रक्रिया ठप हो गई, जिससे निवेशक ठगे रहे गए। अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ यूपी के अलावा पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 59 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी ईडी को दी गई थी। उस दौरान केवल लखनऊ में ही अंसल के खिलाफ निवेशकों ने धोखधड़ी करने के 27 मुकदमे दर्ज कराए थे।

ज्ञानधारा ने 7 वर्षों की सफलता का जश्न मनाया, होली मिलन समारोह में लॉन्च किए दो नए उत्पाद

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

संडीला में उत्तर प्रदेश के अग्रणी पशु आहार ब्रांड ज्ञानधारा ने अपनी 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जिसमें वितरकों, व्यापार भागीदारों और ज्ञानधारा परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस खास मौके पर होली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया, जहां रंगों, विश्वास और साझेदारी के इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर ज्ञानधारा ने दो नए पशु पोषण उत्पादकृ 'मैस्टी–शील्ड' और 'एसएनएफ पावर प्लस'कृ लॉन्च किए। ये उत्पाद पशुओं के स्वास्थ्य को मजबूत करने, दूध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों की आय में सुधार लाने के लिए वैज्ञानिक रूप से विकसित किए गए हैं। इस अवसर पर सी.पी. ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री जय अग्रवाल ने कहा ष्सात वर्षों की इस शानदार यात्रा में हमें किसानों, पशुपालकों और वितरकों का जो अपार समर्थन मिला है, वह हमारे लिए गर्व की बात है। हमारी प्रतिबद्धता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि हम अपने पशुपालकों को अत्याधुनिक पोषण समाधान प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित हैं। 'मैस्टी–शील्ड' और 'एसएनएफ पावर प्लस' इसी दिशा में हमारा नया कदम हैं।" कार्यक्रम में ज्ञान डेयरी के वाइस प्रेसिडेंट श्री जतिंदर सूद, विभिन्न जिलों से आए वितरक, व्यापार भागीदार और पूरी ज्ञानधारा टीम उपस्थित रही। सभी ने रंगों, उल्लास और पारंपरिक गुझिया के साथ इस सफलता का जश्न मनाया। इस आयोजन ने यह दर्शाया कि ज्ञानधारा आने वाले वर्षों में भी नवाचार, गुणवत्ता और सेवा के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि पशुपालन उद्योग को अधिक समृद्ध और लाभकारी बनाया जा सके।

14 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन देवाशीष उपाध्याय ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन के क्रम में आगामी होली एवं रमजान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों के भण्डारणधविक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य

से विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 10 मार्च 2025 को सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय के नेतृत्व में खाद्य सचल दल में सम्मिलित खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण बिपिन कुमार गिरि, विनोद कुमार यादव, मनोज कुमार वर्मा एवं श्रीमती अपराजिता तिवारी द्वारा जनपद के विभिन्न बाजारों में कार्यवाही करते हुए कुल 14 खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। खाद्य सचल दल द्वारा 10 मार्च 2025 को प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत मछलीशहर बाजार से खाद्य पदार्थ बर्फी का 01 नमूना, गुलजारगंज बाजार से खाद्य पदार्थ नमकीन का 01 नमूना, मड़ियाहूँ बाजार से खाद्य पदार्थ हल्दी का 01 नमूना एवं नमकीन का 01 नमूना, मीरगंज बाजार से खाद्य पदार्थ कचरी का 01 नमूना एवं बेसन का 01 नमूना तथा बंधवा बाजार से खाद्य तेल का 01 नमूना तथा पेड़ा का 01 नमूना संग्रहीत किया गया। इस प्रकार 10 मार्च 2025 को जनपद के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल–08 नमूना जनहित में जांच हेतु संग्रहीत किये गये।

होली को देखते खाद्य विभाग द्वारा लगातार चलेगी छापे की कार्यवाई - मानिक चन्द्र

अयोध्या। होली पर्व के चलते जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग मिष्ठानों की दुकानों के साथ–साथ अन्य प्रतिष्ठानों पर छापा मारकर मिठाइयों व खाद्य

पदार्थों में मिलावट करने वाले लोगों पर लगातार करने में जुटी है।निरीक्षण के दौरान संदिग्ध व खराब पाए गए कई कुंतल पनीर, खोआ व अन्य खाद्य पदार्थो को विभाग द्वारा नष्ट कराया गया।जबकि लाखों रुपए की लागत से संदिग्ध दिखाई देने वाले खाद्य पदार्थों को सीज कर उसके नमूने को निरीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।यह बातें सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानिक चंद्र सिंह ने बताई।उन्होंने बताया इस समय होली का पर्व होने के चलते लोगो के स्वास्थ्य को लेकर विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बढ़ती जा रही है।जिसके चलते इस समय सभी शहर के अलावा सभी तहसीलों मे संबंधित एसडीएम द्वारा खाद्य विभाग की गठित टीमों द्वारा लगातार छापा मारा अभियान चल रहा है।बताया कि इधर लगभग 4 कुंतल खोआ, 3 कुंतल पनीर, 1 कुंतल से अधिक बर्फी संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी।जिसे तत्काल प्रभाव से मौके पर ही नष्ट कराया गया था।वही 1,56,000 की लागत से सरसों का तेल धारा ब्रांड, जबकि 28000 रुपए की लागत से चने की दाल कुछ संदिग्ध दिखाई दिया जिस विभाग द्वारा सीज किया गया।बताया कि इसके अलावा लगभग 27000 रुपए की लागत से मैदा, 84000 की लागत से 6 कुंतल नमकीन को सीज करने की कार्यवाही की गई।बताया कि होली को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर यह अभियान लगातार जारी रहेगा।उन्होंने सभी मिष्ठान तथा अन्य प्रतिष्ठानो के स्वामियों से अपील किया है कि वे सभी मिलावटी खाद्य पदार्थों को ना बेचे।मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचकर आम जनमानस के स्वास्थ्य से खिलवाड़ ना करें।नहीं तो उनके उनके विरुद्ध खाद्य विभाग अधिनियम के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी।साथ ही साथ आम जनमानस से अपील किया है कि वह खुले तथा ऐसे खाद्य पदार्थों को ना खरीदें जो संदिग्ध दिखाई दे रही हो।

शालीमार गैलेंट वेस्ट - लक्जरी और भव्यता का नया प्रतीक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के प्रतिष्ठित इलाके महानगर में शालीमार गैलेंट वेस्ट का भव्य लॉन्च हुआ है। यह प्रोजेक्ट उन लोगों के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है, जो शान, आराम और आधुनिकता को प्राथमिकता देते हैं। शहर के केंद्र में स्थित यह प्रोजेक्ट क्लासिक आर्किटेक्चर और अत्याधुनिक सुविधाओं का बेजोड़ संगम है, जो इसे लक्जरी लिविंग का आदर्श उदाहरण बनाता है। शालीमार गैलेंट वेस्ट में 4 बीएचके एक्सक्लूसिव रेजिडेंस दिए गए हैं, जो शानदार कारीगरी और भव्यता का प्रतीक हैं। यहां पर विश्वस्तरीय क्लबहाउस, वेलनेस सेंक्चुरी, ऑल–वेदर इनफिनिटी पूल, स्मार्ट होम फीचर्स, 24•7 सुरक्षा जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अलावा, लैंडस्केप वाटरबॉडी, छत पर खूबसूरत सीटिंग एरिया और अत्याधुनिक इंडोर जिम इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाते हैं। शालीमार कॉर्प लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर, श्री खालिद मसूद ने इस मौके पर कहा, ष्शालीमार गैलेंट वेस्ट सिर्फ एक आवासीय प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि लक्जरी और उत्कृष्टता की शानदार मिसाल है। हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन जीवनशैली देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह प्रोजेक्ट आधुनिक जीवन की सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है। लक्जरी और सुकून भरे जीवन के नए आयाम स्थापित करने वाला शालीमार गैलेंट वेस्ट लखनऊ के रियल एस्टेट सेक्टर में एक नई मिसाल कायम करेगा।

समस्त मदिरा की दुकानें होली के दिन 4 बजे तक बंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट, जौनपुर ने अवगत कराया है कि संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम–1910 की धारा–59 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों एवं अधिकारों का प्रयोग करते हुए होली पर्व के अवसर पर कानून–व्यवस्था एवं लोक शान्ति बनाये रखने के निमित्त जनपद जौनपुर की समस्त

देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, माडल शाप, भांग, ताड़ी, एफ०एल०–2, 2बी, सी0एल0–2 एवं समिश्रबार आदि मादक पदार्थों के अनुज्ञापनों को 14 मार्च को सांय 4:00 बजे तक बन्द रखने का आदेश देता हूँ। इस प्रकार अनुज्ञापनों को बन्द रखने के लिए संबंधित अनुज्ञापियों को नियमानुसार कोई प्रतिफल देय नही होगा।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुसहर समुदाय के महिला को किया गया सम्मानित

भदोही! ज्ञानपुर में जोरई गांव की शीला देवी को मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान तथा न्याय नेटवर्क के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमे संस्था के मनोज कुमार पाल ने सभी लोगो को कार्यशाला में आए हुए लोगो का स्वागत करते हुए कहा कि महिला जब एकजुट होकर कार्य करेगी तो ऐसा कोई कार्य नहीं है जो महिला नहीं कर सकती है श्रम विभाग से वीरेंद्र यादव और DKWX प्रभारी हरिदत्त पाण्डे द्वारा महिलाओं को जागरूक किया गया जिसमे महिलाओं को प्रभारी द्वारा बताया गया कि हमारे देश में महिलाये बहुत ही आगे तक पहुंच गई है कितने महिला हमारे विभाग में ही है जो पढ़ लिखकर अधिकारी बनी हुई है इस लिए आप लोग भी अपनी अपनी बच्चियों को पढ़ाई का कार्य कराए जिससे कि महिला का जो हक और अधिकार है उसे मिलना चाहिए इसके लिए हर महिलाओं को समान अधिकार मिलना चाहिए इस बैठक में मुसहर समाज की शीला देवी ने कहा कि हम सभी लोगों को एक रखकर किसी कार्य को करना चाहिए जिससे कि हम लोग अपने अधिकार और हक के लिए लड़ सके इसमें बृजेश कुमार, सन्तोषा देवी, सोनी, गुलाबी, शकुंतला, अमरावती,सावित्री आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रेन से कट कर माँ ने बेटी के साथ किया आत्महत्या

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा पत्रकार

जौनपुर। थाना खेतासराय क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा मानीकलाँ निवासी राम धारी बिन्द की पुत्री प्रमशीला 27 वर्षीय पत्नी सचिन कुमार बिन्द ग्राम लपरी जौनपुर निवासी ने ट्रेन आगे लेट कर कीया आत्महत्या। मृतिका के पास से अधार कार्ड मिलने के आधार पर पहचान हुई । परिवार में किसी बात को लेकर पति पत्नी मे रात के समय में कहा सुनी हुई और सुबह प्रमशिला अपनी मां के पास आने के लिए घर से निकली और साथ मे अपनी पुत्री रंजना कुमारी लगभग दो वर्ष की बच्ची को लेकर के मानीकलाँ हाल्ट 52 सी और भुडकुडहा गेट 51 सी के बीच पोल नम्बर 846/35 के पास अपनी पुत्री के माँ ने अत्महतया कर लिया। जिसकी सुचना गेट मैन ने जी .आर. पी. पुलिस और खेतासराय थानाध्यक्ष को दी। ऐ घटना वन्दे भारत ट्रेन से समय 10:57 मिनट पर हुई। गेट मैन से पुछने पर पता चला लाश को पुलिस थाने ले गई। पोस्टमार्टम के लिए मौके पर दोनो परिवार के लोग मौजूद रहे। इन लोगो की दूसरी शादी थी और वह लगभग तीन वर्ष पहले हुआ था। सचिन बाहर रोजी रोटी के लिए रहते है। कुछ सप्ताह पहले घर आया था।

वन अनुसंधान केंद्र समेत देहरादून का बच्चों ने किया नगर दर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

झबरेखा, हरिद्वार। पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज लाठर देवा हूण नारसन हरिद्वार के कक्षा 9 से 12 तक के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक भ्रमण यात्रा देहरादून पहुंची भ्रमण के पूर्व पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हूण नारसन के प्रधानाचार्य चंद्रपाल ने छात्र–छात्राओं को सफलतापूर्वक शैक्षिक भ्रमण के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने विज्ञान धाम झाझरा मे स्थित विज्ञान गैलरी फन साइंस, एडवांस टेक्नोलॉजी, हिमालय गैलरी , डिजिटल लैब, ब्रेन साइंस लैब, कि आई लैब एवं 3क फिल्म का पूरे मनोयोग के साथ अवलोकन किया और जानकारी ली। इस दौरान यहां के कर्मचारी कैलाश चंद्रा, ओम प्रकाश रावत नितिन तथा कपिल ने छात्र–छात्राओं को गहन जानकारी देने में सहयोग दिया । वहीं दूसरी ओर वन अनुसंधान केंद्र देहरादून का भी भ्रमण किया जिसके अंतर्गत वन अनुसंधान केंद्र संग्रहालय में उपस्थित होकर जहां जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण के दौरान पीएम श्री प्रभारी विपुल सालार, दिनेश सिंह, आलोक द्विवेदी, सूरजभान, अरुणा राठी, अनीता देवी, प्रताप नारायण तथा अनु आदि ने उपस्थित होकर अपना सहयोग दिया

जौनपुर में नकाबपोश अज्ञात बदमाशों ने शिक्षक पर किया जानलेवा हमला

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा पत्रकार

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के कुल्हना मऊ में स्थित सनबीम स्कूल के शिक्षक जैसे ही अपनी ड्यूटी पूरी करके अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से कॉलेज के बाहर निकले, कुछ ही दूर पर मोटरसाइकिल सवार नकाबपोश बदमाश बैट से सर पर आत्मघाती हमला कर दिया। जिससे उन्हें गंभीर चोटे आई। स्थानीय लोगों ने एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया। जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। सूचना के अनुसार मोहम्मद परवेज उम्र लगभग 37 वर्ष ड्यूटी समाप्त कर अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से घर के लिए आ रहे थे। स्कूल से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे कि एक बाइक पर सवार दो अज्ञात नकाबपोश बदमाशो ने बेसबॉल बैट से सर पर कई बार वार किया जिससे अचेत होकर वहीं गिर पड़े उनके साथी बाइक चला रहे थे हेलमेट लगे होने की वजह से उन्हें कम चोट आई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।